नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : ..... दिनांक : 17.08.2019

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **'युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 05 वीं पुण्यतिथि** के पावन स्मृति में आयोजित सप्त दिवसीय व्याख्यान माला के दूसरे दिन मुख्य वक्ता भारतीय सेना के अवकाश प्राप्त **ले. जनरल मानवेन्द्र** सिंह ने **''सशस्त्र बलों को जाने''** विषय पर बोलते हुए कहा कि **भारतीय सेना दुनिया की श्रेष्ठम सेना है।** दुनिया की ऐसी सेना है जिसे 30 डिग्री माइनस टम्परेचर से लेकर रेगिस्तान में 50 डिग्री ताप तक में देश की सीमा की सुरक्षा करनी होती है। भारतीय सेना को पहाड़ो, जंगलों, बर्फिले मैदानों में देश के लिए जूझना होता है। भारतीय सेना दुनिया की सर्वाधिक संवेनशील, कठोर अनुशासित और हिंसा को रोकने वाली अहिंसा पक्षधर है। जल में, जल के सतह में, पृथ्वी पर, आकाश में, अन्तरिक्ष में लड़ने वाली भारतीय सेना को आज अपने विरूद्ध जारी किए गए मीडिया के दुष्प्रचार एवं साइबर वार से भी लड़ना पड़ रहा है। तथापि भारतीय सेना हर मोर्चे पर अपनी सफलता का झण्डा गाड़े हुए है। हाल ही में पाकिस्तान में घुसकर सार्जिकल स्ट्राइक हो या बालाकोट के आंतकी अड्डे का विनाश अत्याधुनिक तकनीकों से लैश भारतीय सेना की नीति, रणनीति, युद्धनीति और सफलतम् कार्यवाही का लोहा दुनिया ने स्वीकार किया है। देश की जनता भारतीय सेना के जवानो को बल प्रयोग के बाद प्रोटक्शन, उन्हें सम्मान और अनेक परिवारों को संरक्षा दे भारतीय सेना का जवान सीमा पर देश की रक्षा में हँसकर अपने प्राणों की बाजी लगाता रहेगा।

देश की एकता और अखण्डता को अक्षुण्य रखने में सेना की भूमिका सर्वविदित एवं सर्वकालिक है। भारत की सेना के सामने सबसे बड़ी चुनौती देश के अन्दर के दुश्मनों से है। लगातार अन्दरूनी खतरे उत्पन्न हो रहे है। सेना उससे जुझ भी रही है। सेना की संवेदना और मानवता के प्रति समर्पण आज जम्मू कश्मीर में प्रखर रूप से दिखाई पड़ रहा है । विदेशी दुश्मन को नश्ते–नाबुत करने में भारतीय सेना पुरी तरह सक्षम है। इतिहास गंवाह है कि जब–जब विदेशी दुश्मनो ने भारत पर कुदृष्टि डाली तब–तब भारतीय सेना ने दुश्मन को धूल चटाया है। भारतीय सेना का अनुशासन सेवा और त्याग दुनिया के लिए अनुकरणीय है। सेना के अनुशासन सेवा और त्याग को आम जन के जीवन में लाने के लिए शिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण किया जाना देश के एकता और अखण्डता के लिए अपरिहार्य है। भारत की सेना भारतीयो की ही है। सेना की प्रकृति वर्तमान समय में बदल रही है। सेवा और युद्ध दोनों में सेना का योगदान अनुकरणीय है। रक्षा से सुरक्षा तक की यात्रा में सेना ने अपने को प्रत्येक क्षण साबित किया है। सेना का प्रमुख कार्य हिंसा करना नही बल्कि हिंसा को रोकना है। आज भारतीय सेना से प्रत्येक भारतवासी की अपेक्षा एवं अकांक्षा बढ़ी है। नागरिकों के लिए यह आवश्यक है कि वह भी सेना पर चरम विश्वास और सम्मान करने की तरफ दो कदम आगे बढ़े। सेना के परिवारजनों के प्रति सरकार सहित समाज को चिंता करनी होगी। भारतीय सेना का आयाम बढ़ा है। भारतीय सेना आंतरिक से लेकर भूगर्भ तक लड़ने में सक्षम है। बाजारवादी युग के बढ़ते प्रभाव ने सोशल मीडिया के रूप में मिस इन्फार्मेशन ने बड़ी चुनौती सेना के सामने खड़ी की है। विशेष रूप से आर्मी पर इसका दुष्प्रभाव सबसे अधिक पड़ा है। सेना के बारे में अनेक बार मीडिया द्वारा गलत एवं भ्रमक जानकारी देने से सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न होता रहा है। सेना के बारे भ्रमक सूचना को फैलाने में देश विरोधी विदेशी शक्तियां सोशल मीडिया को हथियार बनाकर राष्ट्र के सामने खतरा उत्पन्न कर रही है। यह प्रवृत्ति आम सिपाही के लिए बहुत नुकसानदायक है। आज आवश्यकता है कि आम भारतीयों का सेना के साथ घनिष्ठता बढ़ाने का प्रयास परम आवश्यक है। सेना का जीवन अत्यन्त ही चुनौतीपूर्ण है। सम्पूर्ण भारत के कोटि–कोटि नागरिकों को सेना के साथ अत्यन्त संवेदना, व्यापक विश्वास और प्रतिक्षण उनको उत्साहित करने के लिए तैयार रहना होगा। सेना के त्याग बलिदान और समर्पण से ही हर भारतीय सुरक्षित है और अपने परिवारजनों के साथ निरंतर विकास की ओर अग्रसर है।

इससे पूर्व व्याख्यान कार्यक्रम में बोलते हुए महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान के प्रवक्ता **विनय कुमार सिंह** ने **"क्लाईमेट चेंज एण्ड ग्लोबल वार्मिंग"** विषय पर बोलते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन प्रकृति का नियम है। यद्यपि यह चक्रिय परिर्वतन निरंतर चलता रहता है लेकिन आज के आधुनिक बाजारवादी एवं उपभोक्तावादी जीवनशैली ने प्रकृति का जिस प्रकार दोहन किया वह मानव जीवन के लिए ही खतरा बन गया है। जलवायु परिवर्तन में अधिकतर भूमिका मानव की होती जा रही है। जिस प्रकार से ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन बढ़ा है जिसके कारण ऋतुओं में अनिश्चितता बढ़ी है। जलवायु परिवर्तन आज भारतीय कृषि के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। मानव स्वास्थ्य के लिए भी जलवायु परिवर्तन बड़ा कारण माना जा रहा है। समय रहते यदि इन चुनौतियों का समाधान नहीं ढूढ़ा गया तो पृथ्वी पर मानव जीवन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जायेगा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज पर पुष्पांजलि एवं माँ सरस्वती की अराधना के साथ हुआ। समापन वन्देमातरम् से किया गया। आभार ज्ञापन डॉ0 विजय कुमार चौधरी एवं संचालन डॉ0 अनुपमा श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो0 महेश शरण, डॉ0 आर0एन0 सिंह, डॉ0 शिव कुमार वर्नवाल, शिप्रा सिंह, नन्दन शर्मा, प्रियंका मिश्रा, मनीता सिंह सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(डॉ0 राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी